(7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY New Delhi-19 2019

Your Roll No. ....

Sr. No. of Question Paper : 8884

IC

Unique Paper Code : 12051401

Name of the Paper : Bhartiya Kavyashastra (भारतीय काव्यशास्त्र)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (CBCS)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. इस प्रश्न-पत्र के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

भारतीय आचार्यों द्वारा निरूपित काव्य लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

(12)

2. रस के भेद बताते हुए श्रृंगार रस का विवेचन कीजिए।

अथवा

लक्षणा शब्द-णक्ति की परिभाषा देते हुए उसके विविध भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (12)

3. मुक्तक काव्य **अथवा** खण्ड काव्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (12)

4. (क) किन्हीं **तीन** अलंकारों के लक्षण उदाहरण लिखिए -

अनुप्रास, अतिशयोक्ति, उत्प्रेक्षा, श्लेष, वक्रोक्ति, रूपक

(3×3=9)

(ख) किन्हीं **तीन** छंदों के लक्षण-उदाहरण लिखिए -

दोहा, हरिगीतिका, शिखरिणी, चौपाई, द्रुतविलम्बित, कुंडलिया

(3×3=9)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (7×3=21)

(क) काव्य-हेतु

(ख) काव्य-प्रयोजन

(ग) माधुर्य गुण

(घ) अभिधा शब्द शक्ति

(ङ) विभावना और विशेषोक्ति में अंतर।

(8) May/2019

[This question paper contains 6 printed pages.]

Deshbandhu College Library Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.............

Sr. No. of Question Paper : 9096 IC

Unique Paper Code : 12051402

Name of the Paper : हिंदी कविता (छायावाद के बाद)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi – CBCS

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (15)

(क) अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रोबीला चेहरा

आहिस्ते से बोलाऽ हाँ सा'ब

लाख कहता हूँ नहीं मानती मुनिया

टाँगे हुए है कई दिनों से

P.T.O.

अपनी अमानत
यहाँ अब्बा की नजरों के सामने
मैं भी सोचता हूँ
क्या बिगाड़ती हैं चूड़ियाँ
किस जुर्म पे हटा दूँ इनको यहाँ से?

अथवा

जैसे कोई बिजली कौंध जाए
एक दबी हुई स्मृति
झकझोर जाती है मुझे
और मुझे लगता है कहीं मेरे भीतर भी है
एक पागल स्त्री
जो दरवाजों को पीटती
और दीवारों को खुरचती हुई
उसी तरह लगा रही है चक्कर
मेरे उपमहाद्वीप के विशाल नक्शे में
न जाने कब से।

(ख) हाड़-माँस की गठरी-सा जीवन
जीवित जैसे नंगी डाल है,
खड़-खड़ कर उड़ते खग से पत्ते
फैला भू-पर झिलमिल जाल है,
आँखों का स्वप्न मिटा जा रहा है
पुरवैया धीरे बहो।

अथवा

लेकिन इससे भी हैरतअंगेज है चोरी की एक घटना
जो सम्पूर्ण क्षेत्र में आज भी चर्चा का विषय है–
कहते हैं एक चोर सेंध मार घर में घुसा
इधर-उधर टो-टा किया और जब कुछ न मिला
तब चुहानी में रक्खा बासी भात और साग खा
थाल वहीं छोड़ भाग गया–
वो तो पकड़ा ही जाता यदि दबा न ली होती डकार।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्हीं दो** का रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए । (15)

(क) जिनकी सेवाएँ अतुलनीय
पर विज्ञापन से रहे दूर
प्रतिकूल परिस्थिति ने जिनके
कर दिए मनोरथ चूर-चूर!
उनको प्रणाम!

(मूल संवेदना)

(ख) राष्ट्रगीत में भला कौन वह
भारत-भाग्य-विधाता है
फटा सुथन्ना पहने जिसका
गुन हरचरना गाता है।

(व्यंग्यात्मकता)

(ग) इन नये बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नये-नये मकान
मैं अक्सर रास्ता भूल जाता हूँ

धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
जमीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बायें
मुड़ना था मुझे ।

(भाव-सौन्दर्य)

3. अज्ञेय की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए । (15)

अथवा

'धूमिल की कविता सामान्य जन की पीड़ा को अभिव्यक्ति देती है', इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

4. 'अकाल और उसके बाद' कविता की मूल संवेदना का विवेचन कीजिए । (15)

अथवा

नवगीत-परम्परा में शंभुनाथ सिंह का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

5. 'अपनी केवल धार' कविता की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए । (15)

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर केदारनाथ सिंह की काव्य-कला का विवेचन कीजिए।

(9)

2019

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 9139 IC

Unique Paper Code : 12051403

Name of the Paper : Hindi Paper-X (Hindi Upanyas)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi (CBCS)**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) औरत की ज़िन्दगी और है ही किसलिए बहनजी! वह अपने दिल से लाचार है, जिससे वफा की उम्मीद करती है, वही दग़ा करता है । उसका क्या अख्तियार ? लेकिन बेवफाओं से मुहब्बत न हो, तो मुहब्बत में मजा ही क्या रहे । शिकवा-शिकायत, रोना-धोना, बेताबी और बेकरारी यही तो मुहब्बत के मज़े हैं, फिर मैं तो वफा की उम्मीद भी नहीं करती थी ।

P.T.O.

अथवा

"जो अपने से चाहता हूँ। अपने से चाहता हूँ कि निकल चलूँ। इस फैले विश्व में भयभीत को ढाढ़स दूँ। भूखे के लिए अन्न की व्यवस्था करूँ, दम्भी का दम्भ तोड़ूँ संकीर्ण स्वार्थों की दीवारें जो समाज में खड़ी हैं उन्हें ढहा न दूँ तो उनमे द्वार-खिड़कियाँ तो खोल दूँ। तुमसे चाहता हूँ कि जब तक तुम आर्त्त की पुकार सुन सकती हो, तब उस पुकार की तरफ बढ़ भी चलो।"

(ख) "मूर्ख, तूने और तेरे स्वामी ने परलोक देखा है। यह विश्वास ही तेरी दासता है। तू अपने पर स्वामी के अधिकार को स्वीकार करता है, यह तेरी दासता का बंधन है। तू संकट से पलायन कर रक्षा चाहता है, यह तेरी निर्बलता है। संकट सब स्थान और समय में तेरे साथ रहेगा। संकट का पराभाव कर। पराभूत होना ही पाप है। उसका फल तू तत्काल भोगेगा। तू स्वतंत्र 'कर्त्ता' है।"

अथवा

"और इस स्थिति की दो ही परिणितियाँ हो सकती हैं... होंगी। या तो तुम उसके स्वतंत्र अस्तित्व को समाप्त करके उस पर हावी होने की कोशिश करोगी और या फिर अपने को बहुत ही

उपेक्षित और अपमानित महसूस करोगी। उस समय तुम्हें यही लगेगा कि जिसके पीछे तुमने अपनी सारी ज़िंदगी बरबाद की, वह अब तुम्हें ही भूलकर अपनी जिंदगी जीने की बात सोच रहा है।"

2. 'कर्मभूमि' उपन्यास में तत्कालीन समाज का सुन्दर चित्रण किया गया है। इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। (15)

3. ''आपका बंटी' उपन्यास में समाज के वर्तमान जीवन की समस्याओं का उद्घाटन हुआ है', स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास नारी मन की अनेक पर्तों को खोलता है। स्पष्ट कीजिए। (15)

4. 'सुनीता' स्त्रीप्रधान उपन्यास है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"'दिव्या' इतिहास की नई संभावनाओं को संकेत देने वाला उपन्यास है" इस कथन की विवेचन कीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 7.5×2=15 (

(क) 'दिव्या' उपन्यास की मूल संवेदना ;

(ख) 'आपका बंटी' का कथ्य ;

(ग) 'कर्मभूमि' उपन्यास में नारी-जागृति का स्वर ;

(घ) 'सुनीता' उपन्यास में हरिप्रसन्न का चरित्र-चित्रण।